SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): This order should be revoked. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: This order should be revoked. ...*(Interruptions)*... The teachers have to be put back so as to facilitate the exams and the children. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Kahkashan Perween. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: I don't know if this is a reflection of the wonderful new Education Policy that this Government is going to bring out. ...*(Interruptions)*... Thank you.

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री महेन्द्र सिंह माहरा (उत्तराखंड): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

Need for toilets for women on National Highways

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): उपसभापति जी, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया ...**(व्यवधान)**... मैं आज जिस मुद्दे को उठाने जा रही हूं, वह औरतों के मान-सम्मान से जुड़ा हुआ मुद्दा है। एक तरफ सरकार "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" का सपना देख रही है - यह नारा उनका है, लेकिन दूसरी तरफ़ अक़सर यह देखा गया है कि एन.एच. में सफ़र करती औरतें शौचालय जाने के लिए परेशान होती हैं। उन्हें या तो खुले में शौच करने जाना पड़ता है या वे इस परेशानी को बर्दाश्त करके, जब अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचती हैं, तब इससे फ़ारिग होती हैं। मैं इनकी परेशानियों को आपके सामने रखती हूं और सरकार से यह मांग करती हूं कि एन.एच. में हर पाँच-पाँच किलोमीटर पर और जहाँ पर टोल है, वहाँ पर शौचालयों का निर्माण कराया जाए, जिससे औरतों को इन दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

दूसरा, आप जो नौकरियों की बात कर रहे हैं, उसके लिए आप शौचालयों का निर्माण कराकर, इस काम को सुलभ जैसी संस्थाओं को देने का काम करें। इससे लोगों की बेरोज़गारी दूर होगी। मेरी सरकार से यही मांग है और मैं यह चाहती हूं कि "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" का जो सपना आप देख रहे हैं, यह सपना तभी साकार होगा, जब औरतें खुले में शौच नहीं करेंगी। आपका यह सपना तभी साकार होगा, जब सफ़र में औरतें जिस तरह से परेशान हो रही हैं, उस तरह से परेशान नहीं होंगी। इन्हीं बातों के साथ मैं चाहती हूं कि सरकार इस पर पूरा ध्यान दे।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री दर्शन सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

†**جناب جاوید علی خان (اترپردیش):** آپ سبھاپتی جی، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

SHRI K.T.S. TULSI (Nominated): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SHANTARAM NAIK (Goa): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

---

†Transliteration in Urdu script.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a very, very genuine demand. The Government may take, note of it.

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री; तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): माननीय सदस्या ने जिस विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया है, हम उस विषय से माननीय मंत्री जी को अवश्य अवगत कराएंगे।

Alleged delay in payment of compensation to dalits in Gujarat

श्री मधुसूदन मिस्त्री (गुजरात): उपसभापति जी, गुजरात के अंदर चार दलित लोगों को मारने का जो incident हुआ, जिससे पूरे देश में एक बहुत बड़ा तहलका मच गया था, आज उस घटना को घटित हुए पन्द्रह दिन से ज्यादा हो गए हैं। वहाँ पर गुजरात सरकार ने हाउस के अंदर क्लेम किया था कि जितना हो सकता है, उतना सब कुछ गुजरात सरकार ने किया है। इस इतवार को गुजरात से हमारे जो राज्य सभा के नए सांसद चुनकर आए हैं, उनको मिनिस्टर भी बनाया गया, वे भी इस इतवार को जो victims थे, उनके यहाँ पर गए थे। जब newspapers में criticize हुआ कि भारतीय जनता पार्टी को क्रेडिट लेना भी नहीं आता, क्योंकि उन्होंने चाय नहीं पी, तब इन मिनिस्टर साहब ने, अन्य लोगों के साथ वहाँ पर जाकर चाय पी। सर, मेरा मुद्दा यह है कि सरकार ने उस वक्त इन सभी को चार-चार लाख रुपये का compensation देने का वायदा किया था, लेकिन, unfortunately, आज पंद्रह दिन होने के बावजूद भी गुजरात सरकार ने अभी तक इन पूरे victims को केवल एक लाख रुपये दिये हैं, न जाने बाकी पैसा कब देंगे?

सर, मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि कल या परसों के दिन, गुजरात के अंदर सूरत में, custody के अंदर एक दलित की मौत हुई है। इसके कारण कल हज़ारों की संख्या में दलित लोग सड़क पर आ गए। सर, यह मुद्दा दलितों के ऊपर अत्याचार का है, इसलिए मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि इन पर यह अत्याचार कब बंद होगा? नंबर दो, ऊना के जो victims हैं, आप उन victims को कब तक compensation देंगे? उपसभापति महोदय, मैं इनसे इन बातों का assurance चाहता हूं, क्योंकि यहाँ पर फाइनेंस मिनिस्टर बैठे हैं, पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर भी बैठे हैं और दूसरे मिर्निस्टस भी हैं। वैसे तो आप छाती ठोक-ठोक कर कहते हैं कि हम सब दलितों के हामी हैं, तो पन्द्रह दिन गए, अभी तक आप लोगों ने उनके पैसे क्यों नहीं दिए हैं? क्या गुजरात सरकार के पास पैसे नहीं हैं या वह देना ही नहीं चाहती है? सर, मैं आपके माध्यम से इनसे जानना चाहता हूं कि इस इंसिडेंस ने पूरे देश को हिला दिया है और सरकार इस तरह इसमें इतनी apathy क्यों जता रही है? शायद यह